वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 97 शुक्रवार 4 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में अटकी 10 भर्ती परीक्षाएं

कर्मचारी चयन आयोग मुख्यालय पर बेरोजगारों ने किया प्रदर्शन, उपेन बोले- भर्ती कैलेंडर जारी करे सरकार

जयपुर. कासं

जयपुर राजस्थान की बेरोजगारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले प्रदेशभर के कर्मचारी चयन बोर्ड मुख्यालय का घेराव किया। बेरोजगारों ने कहा कि बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में शिक्षक भर्ती परीक्षा के साथ ही 10 से ज्यादा भर्ती परीक्षाएं ऐसी है। जो अब अधरझूल में अटक गई है। इसके साथ ही भविष्य में एक लाख पदों पर होने वाली भर्ती परीक्षाओं को लेकर भी असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। ऐसे में सरकार जल्द से जल्द नए अध्यक्ष की नियुक्ति करें। ताकि प्रदेश के विरूद्ध आरोप को नियुक्ति मिल सके। अगर ऐसा नहीं हुआ तो प्रदेशभर के बेरोजगार सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि बोर्ड अध्यक्ष को इस्तीफा दिए 1 सप्ताह से ज्यादा का वक्त बीत गया है। लेकिन अब तक सरकार द्वारा नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की गई है। जिससे बोर्ड की कार्यशैली प्रभावित हो रही है। इसका सबसे ज्यादा असर शिक्षक भर्ती परीक्षा समेत प्रक्रियाधीन 10 भर्ती परीक्षाओं पर पड़ रहा है। सरकार द्वारा जल्द से जल्द बोर्ड के नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की गई तो सभी भर्ती परीक्षाएं आचार संहिता के घेरे में अटक सकती हैं। इसलिए आज हमने यहां विरोध कर सरकार तक अपनी जायज मांगे पहुंचाई है। लेकिन अगर अभी इसका समाधान नहीं किया। तो भविष्य में हम बड़ा आंदोलन करेंगे। जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने पिछले महीने 23 जुलाई को अपना इस्तीफा सरकार को भेजा दिया था। जिसमें उनहोंने बताया था कि 'मेरा कार्यकाल इसी 7 अक्टूबर को पूरा हो जाएगा। फिलहाल बोर्ड द्वारा 8 भर्ती परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। ऐसे में अगर मैं अपना कार्यकाल पूरा भी कर लेता तो भी सिर्फ तीन भर्ती परीक्षाओं को पूरा कर पाऊंगा। 5 दूसरी भर्ती परीक्षाएं अपने निर्धारित वक्त से अटक सकती हैं। ऐसे में मेरी जगह किसी और व्यक्ति को जिम्मेदारी दी जाएगी तो नया अध्यक्ष आठों भर्ती परीक्षाएं निर्धारित वक्त पर पूरी करा सकता है। इसलिए मैंने अपने पद से इस्तीफा दिया है ताकि राजस्थान के लाखों युवक, जो प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होंगे, उन्हें समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

पर्यावरण को संरक्षित करने का स्टूडेंट्स ने लिया संकल्प

गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल परिसर में छात्राओं ने लगाए 50 से अधिक छायादार पौधे

जयपुर. कासं। रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर एवं सारथी एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में गो ग्रीन अभियान के तहत गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल मालवीय नगर में स्कूल की छात्राओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। प्रांगण में छात्राओं के साथ मिलकर करीब 50 छायादार और फलदार पौधे लगाए गए और छात्राओं को उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी। पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन के निदेशक रोटेरियन देवेन्द्र सिन्हा की ओर से छात्राओं को पेड़ लगाने से पर्यावरण पर होने वाले प्रभाव और पॉलीथिन से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। छात्राओं को 150 पेंसिल पाउच भी वितरित किए गए। स्कूल प्रबधन की तरफ से पंखे एवं स्कूल की जरुरी चीजों को उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया, जिसे की रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर एवं सारथी एनजीओ ने पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष शालिनी वार्ष्णेय, पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अवधेश कुमार एवं विपन बहल, उपाध्यक्ष नवीन किशोर माथुर देवेन्द्र गोयल, महेंद्र भारद्वाज ,देवेन्द्र सिन्हा, योगेश वार्ष्णेय, लक्ष्मी सक्सेना और क्लब डायरेक्टर एवं सारथी के अध्यक्ष संजीव खनिजों एवं गजेन्द्र कुमार पंचोली के साथ स्कूल स्टाफ एवं अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

HC ने कहा-शहर का ट्रैफिक सुगमता से चलना चाहिए

जयपुर. कासं। बीजेपी की रैली के दौरान शहर में हुए ट्रैफिक जाम को लेकर गुरुवार को राजस्थान हाई कोर्ट की डिवीजन बैंच में सुनवाई हुई। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ ने पूरे मामले में नाराजगी जताते हुए कहा कि पुलिस को कोर्ट के आदेशों के बारे में पता ही नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि शहर के ट्रैफिक को रेगुलेट करने का काम हमारा नहीं है। लेकिन, अगर पब्लिक को परेशानी होगी तो कोर्ट को दखल देनी होगी। अदालत ने सरकार को निर्देश दिए कि सरकार किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करें। जिससे वह कोर्ट के अभी तक के आदेशों के अनुसार सर्कुलर जारी करें। वहीं यह सर्कुलर जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के पास होना चाहिए। जिसके आधार पर वह रैली व धरने की अनुमति दे सकें। इससे पहले गुरुवार को जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने मामले को अवमानना संबंधी कार्रवाई के लिए डिवीजन बैंच को रेफर कर दिया था। गौरतलब है कि पूरे मामले में बुधवार को जस्टिस समीर जैन ने ही मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था। वहीं पुलिस के अधिकारियों को तलब किया था। सिंगल बैंच से रेफर होकर आई अवमानना संबंधी कार्रवाई को लेकर कोर्ट ने सरकार को विस्तृत जवाब देने के लिए 21 अगस्त तक का समय दिया हैं। अपने जवाब में सरकार को बताना है कि पुलिस अधिकारियों ने किस आधार पर शहर के बीच में रैली की परमिशन दी। सरकार के जवाब के आधार पर ही कोर्ट यह तरह करेगा कि जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई की जाए या नहीं। दरअसल नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के समापन कार्यक्रम के दौरान बीजेपी ने 1 अगस्त को सचिवालय घेराव किया था। इसे लेकर बीजेपी कार्यालय से चौमू हाउस सर्किल होते हुए बीजेपी ने स्टेच्यू सर्किल तक रैली निकाली थी। जिसके चलते स्टेच्यू सर्किल के चारों तरफ के इलाके में ट्रैफिक जाम लग गया था। जाम में वाहन चालकों के साथ-साथ कई स्कूली बच्चे भी फंस गए थे।

201 महिलाओं की कलशयात्रा से शुरू हुई भागवत कथा

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के बैनर तले श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार बजे श्री गोविन्द देव जी मंदिर से 201 महिलाओं की निकलने वाली कलशयात्रा से हुआ। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण, बाई जी के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा व मंत्री महेन्द्र शर्मा ने बताया कि भागवत कथा का शुभारंभ आज श्री गोविन्द देव जी मंदिर से 201 महिलाओं की निकलने वाली कलशयात्रा से हुआ। हाथी,घोड़े व बग्गियों के साथ निकली इस कलशयात्रा में 201 महिलाएं सिर पर मांगलिक कलश लेकर चल रही थी। वहीं कलशयात्रा में शामिल श्रद्धालु भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर नाचते-गाते हुए चले रहे थे। बग्गी में रामरतन दास जी महाराज विराजमान होकर चल रहे थे। कलशयात्रा हवा महल,बड़ी चोपड़ स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण बाई जी पहुंची। जहां पर पूजा-अर्चना की गई। इसी दिन दोपहर में व्यास पीठ से वृंदावन नंदगांव के परम पूज्य श्याम सुंदर गोस्वामी जी भागवत महात्म्य,धुंधकारी व गौकर्ण कथा पर प्रवचन करते हुए कहा कि भागवत कथा सुखों की जननी है,जिसके श्रवण मात्र से जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव होता है। भागवत कथा की प्रत्येक पंक्तियां श्रवण करने से जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव होता है।उन्होंने आगे कहा कि जिस घर में श्रीमद भागवत के नियमित पाठ होते हैं,वह घर स्वर्ग के सामान माना जाता है। इस मौके पर चंदाराम गुर्जर हनुमान सोनी, दिनेश शर्मा,जय कुमार सोनी, दिलीप अग्रवाल,प्रवीण अग्रवाल, बाबू लाल सोनी व मनीष नागौरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत शुक्रवार श्री शुक्रदेव जन्म, हिरण्याकक्ष वध व कपिल श्रुति संवाद,5 को सती चरित्र,नृसिंह अवतार,श्री मोहिनी व वामन प्राकट्य की कथा सुनाएंगे। 6 को गजेन्द्र मोक्ष,श्री राम जन्म के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 7 को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला,कालिया मर्दन के बाद गिर्राज पूजन व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। महोत्सव के तहत 8 को श्री रास पंचाध्यायी,उद्धव गोपी संवाद,कंस उद्धार व रूकमणि विवाह के बाद अंतिम दिन 9 को सुदामा चरित्र,परीक्षित मोक्ष व भागवत पूजन के साथ कथा की पूर्णाहुति होगी।अंतिम दिन 10 को सुबह 10 हवन के साथ कथा की पूर्णाहुति होगी। कथा रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 6 बजे तक होगी।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति ने मनाया लहरिया उत्सव

महिलाएं नैतिकता, निष्ठा, निर्णय और नेतृत्व का प्रतिबिंब: जोशी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला जैन डोड्या के नेतृत्व में लहरिया उत्सव आज नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां के तोतुका सभागार में धूमधाम से मनाया गया। रंगारंग कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं से सजे इस समारोह में भाजपा के प्रदेशध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी सहित महरासमिति की 700 के आसपास महिलाओं ने शिरकत की। इस दौरान चातुर्मास धमाका कार्यक्रम हुआ,जिसमें उपस्थित महिलाओं ने आकर्षक पुरस्कार जीते,साथ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण,वृक्षारोपण और अहिंसात्मक सौंदर्य प्रसाधन के लिए महिलाओं ने प्रतिज्ञा ली और प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली। अन्यराष्ट्रीय अध्यक्ष शीला जैन डोड्या एवं शालिनी बाकलीवाल, विद्युत लुहाड़िया ने बताया कि दो सेशन में हुए इस समारोह के शुभारंभ में दीप प्रज्जवलन दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष सुधान्शु ऋतु कासलीवाल किया। तत्पश्चात चित्र अनावरण निर्मल शशी सौगानी, श्रीमती शकुन्तला चाँदवाड़, प्रदीप कुमार जैन ने किया। एक स्वर में अपने आसन से खड़े होकर सुधान्शु कासलीवाल, शीला डोड्या, निर्मल सौगानी के नेतृत्व पंचरंगा ध्वज लहराया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि महिलाएं नैतिकता, निष्ठा, निर्णय और नेतृत्व का प्रतिबिंब है,वहीं डॉ. रक्षा भण्डारी ने कहाँ कि महिलाओं की प्रगति राष्ट्र के सशक्तिकरण को हमेशा बल देती है। मिसेज इंडिया श्वेता मेहता मोदी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहाँ कि अपने संस्कारों को जीवित रखकर भी सौन्दर्य किया जा सकता है। पारंपरिक लहरिया में अहिंसात्मक सौन्दर्य प्रसाधन से 16 श्रृंगार से सज्जित संस्कारी बहु प्रतियोगिता का आयोजन 40 वर्ष तक की महिलाओं के बीच हुआ। निर्णायक श्रीमती नीना पहाड़िया सुश्री नुपूर जैन थी। प्रथम विजेता के रूप में सुभिका जैन, रनरअप जौली जैन और रूचिका जैन रही। विजेताओं को मिस इंडिया श्वेता मेहता मोदी, शीला जैन डोड्या ने मुकुट पहनाकर सम्मान किया। सुहागन का सिंगार प्रतियोगिता में महिलाओं ने रौचकता दिखाई। समारोह के बीच-बीच में लक्की ड्रॉ से लहरिया पुरस्कारों की बौछार हुई। इस मौके पर लहरिया क्वीन के खिताब से रचना बेद को नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दो प्रतिमाधारी व्रती श्राविका डॉ. निर्मला सांघी एवं आशा लुहाड़िया, हेमा पाटोदी, विनीता बोहरा, तारामणि जैन व एकता बज को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। दूसरे सेशन में दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष निर्मल सौगानी का शपथ ग्रहण कराई गई। जयपुर शहर के अध्यक्ष संजय गोधा टीम का भी शपथ राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण जैन, शीला जैन डोडूया, ने करवाया। इस अवसर पर श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाषचन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्याक्ष दर्शन जैन, महामंत्री मनीष बैद, राजस्थान जैन युवा महासभा की ओर से ज्ञानचन्द झांझरी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, पदम बिलाला, सुनील पहाड़िया, सुधीर गंगवाल, अशोक पाण्ड्या, अरूण कोड़ीवाल, विजय सौगानी उपस्थित हुए। संचालन शालिनी बाकलीवाल एवं मनीष बैद ने किया।

वेद ज्ञान

सच्चा आनंद तभी प्राप्त होगा जब परमात्मा का ज्ञान प्राप्त हो

यह समस्त सृष्टि एक सुनिश्चित रचना है। इस रचना का एक-एक कण प्रभुसत्ता की नियमावली से अनुशासित है, नियंत्रित है। प्रभु सच्चिदानंद है। उनका मूल उद्देश्य प्राणिमात्र को शुभ आनंद प्रदान करना है। मनुष्य को छोड़कर विश्व का प्रत्येक प्राणी एक नैसर्गिक आनंद को प्राप्त करता है, परंतु मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जो स्वतः आनंदित नहीं दिखाई देता। इसका स्पष्ट कारण यह है कि परमात्मा की इच्छा है कि वह उसके संपूर्ण स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करके आनंद की अनुभूति करे। वह भी, मात्र आनंद नहीं सच्चिदानंद परमात्मा की पूर्ण अनुभूति प्राप्त करे। अन्य पशु-पक्षियों की भांति मनुष्य परमात्मा का ज्ञान प्राप्त किए बगैर आनंद को प्राप्त नहीं कर सक को उपादान भी दिए हैं-अद्भुत शरीर, विलक्षण विवेक-बुद्धि। इनका उपयोग कर मनुष्य सहज ही परमात्मा का ज्ञाता। उसे सच्चा आनंद तभी प्राप्त होगा जब वह परमात्मा का ज्ञान प्राप्त कर ले। प्रभु ने अपनी इच्छा के अनुरूप मनुष्यन प्राप्त कर सकता है। अपनी विवेक शक्ति को विकृतियों से मुक्तकर मनुष्य यदि प्रत्यक्ष संसार को एक गहरी अनुभूति से देखे, उसका चिंतन करे तो सहज ही वह परमात्मा के अस्तित्व का ज्ञान प्राप्त कर सकता है। मनुष्य को आनंद की खोज करने की आवश्यकता नहीं है। सच्चिदानंद परमात्मा से उत्पन्न इस सृष्टि में आनंद ही आनंद बिखरा है। मनुष्य को मात्र अपनी अनुभव शक्ति को प्रबुद्ध भर करना है। अनुभव शक्ति के प्रबोध के लिए उसे कोई विशेष तपस्या या साधना नहीं करनी है। वह मात्र एक विस्मय मूलक दृष्टिकोण से उसकी रचना-संसार को देखे, उसे श्रेष्ठ शिल्पकार की परम रचना समझकर सम्मान करे, इतना भर कर लेने से उसकी अनुभव शक्ति स्वतः प्रबुद्ध हो उठेगी और एक बार प्रबुद्ध हो जाने पर वह शक्ति पुनः निहित नहीं होगी। इतनी बड़ी रचना, इतनी महान कृति को उसने किस उद्देश्य, किस कारण से और किसके लिए निर्मित किया है? यह एक जटिल प्रश्न है, रहस्य है। मेरा तो मत है कि यह सब एक उस ही परमात्मा ने अपने से, अपने में, अपने लिए ही उत्पन्न किया है। सृष्टि में हर ओर से ओत-प्रोत परमात्मा और परमात्मा में हर-प्रकार से समाहित यह संपूर्ण रचना, मनुष्य के समझने के लिए है।

संपादकीय

बाढ़ का बड़ा कारण है नदियों के प्रवाह में अवांछित अवरोध

प्रकृति अपने मूल स्वरूप में जीवन देती है। लेकिन मौसम का अपना चक्र होता है। बरसात के दिनों में बाढ़ से बड़े पैमाने पर जानमाल के नुकसान की घटनाएं अब आम होती देखी जा सकती हैं। हालांकि बाढ़ या मौसम के अनुरूप अन्य किसी प्राकृतिक उथल-पुथल को रोका जाना संभव नहीं होता, लेकिन इससे बचाव के कुछ साधारण इंतजामों के जरिए बहुत कुछ बचाया जरूर जा सकता है। विडंबना यह है कि मौसम के स्वरूप के बारे में आज विस्तृत अध्ययन की सुविधा होने और उसके बारे में काफी हद तक सही पूवार्नुमानों के बावजूद अमूमन हर साल आपदाओं की वजह से जानमाल का व्यापक नुकसान होता है। हजारों लोगों की जान चली जाती है, अरबों रुपए की संपत्तियां तबाह हो जाती हैं। हाल में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब आदि इलाकों में भारी बरसात और बाढ़ ने जैसा कहर ढाया, वह सबके सामने है। इससे पहले भी बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे इलाकों में हर वर्ष बाढ़ बहुत तबाह करती रही है। अब केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारतीय इलाकों में भी बरसात और बाढ़ की वजह से भारी क्षति होने लगी है। गौरतलब है कि सोमवार को सरकार ने राज्यसभा में बताया कि देश में सन 2012 से 2021 के बीच बाढ़ और भारी बारिश की वजह से सत्रह हजार चार सौ बाईस लोगों की जान चली गई। करीब साढ़े पांच लाख पालतू पशुओं की भी मौत हो गई। इस दौरान घरों, फसलों सहित कुल दो लाख छिहत्तर हजार चार करोड़ का नुकसान हुआ। ऐसी आपदाओं के बाद नुकसानों का सटीक आकलन कई बार मुमकिन नहीं हो पाता, क्योंकि कई स्तर पर वास्तविक क्षति के ब्योरे नहीं दर्ज हो पाते हैं। सही है कि कई बार बाढ़ या अन्य आपदाओं का स्वरूप बिगड़ जाता है और उससे बड़े पैमाने पर तबाही होती है।

लेकिन अगर समय पर बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं तो बहुत सारे लोगों की जान बचाई जा सकती है। यों बाढ़ की आशंका वाले शहरी क्षेत्रों में इस समस्या से निपटने के लिए भूजल पुनर्भरण और अन्य प्रकृति आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ओर से कई पहलकदमी हुई है, लेकिन अभी उनका पूरी तरह जमीन पर उतर पाना बाकी है। यों बरसात के मौसम में कभी ज्यादा बारिश और उससे नदियों में आने वाली बाढ़ एक सामान्य और स्वाभाविक चरण है। अगर नदियों की राह अति की हद तक बाधित नहीं हो, तो पानी अपनी रफ्तार से आकर निकल जाता है और अक्सर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ा जाता है लेकिन किसी भी तरह के अनियंत्रित निर्माण की वजह से नदियों के रास्ते में बाधा खड़ी होती है तो बाढ़ के दिनों में उसका प्रवाह आसपास के इलाकों को तबाह कर डालता है। मुश्किल यह है कि आपदा से होने वाली क्षति के लंबे अनुभवों के बावजूद अब तक बाढ़ की स्थिति में जल निकासी के पर्याप्त इंतजाम से लेकर वर्षा जल संचयन की दिशा में ठोस योजनाओं को लेकर गंभीरता कम ही दिखती है। बरसात के मौसम में नदियों के प्रवाह और जलग्रहण क्षेत्रों में आपातकालीन बचाव इंतजाम भी सिर्फ तब दिखते हैं, जब कोई आपदा कहर बरपाने लगती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बढ़ रही है हिंसा

किसी भी धार्मिक यात्रा का उद्देश्य और परिणाम सौहार्द का विस्तार होना चाहिए। लेकिन आए दिन यह देखने में आता है कि अलग-अलग समुदायों की ओर से किसी पर्व-त्योहार के मौके पर निकाली जाने वाली यात्राओं के तय मार्ग से अलग रास्ते पर चल पड़ने या फिर किसी अन्य वजह से खड़े होने वाले विवाद के बाद लोग उग्र हो जाते हैं। फिर पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाने पड़ते हैं तो उस पर भी सवाल उठते हैं। इसी क्रम में कई बार भीड़ अराजक और हिंसक हो जाती है, जिसमें नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। हरियाणा के नूंह में सोमवार को निकाली गई एक धार्मिक यात्रा के दौरान अचानक कुछ लोगों ने पत्थरबाजी कर दी। इसके बाद टकराव इस कदर हिंसक हो गया कि उसमें होमगार्ड के दो जवानों सहित पांच लोगों की जान चली गई, कई बुरी तरह घायल हो गए। हालात को काबू में करने के लिए वहां अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए, कुछ जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। यानी धार्मिक आयोजन के रूप में जिस यात्रा का हासिल सद्भाव का संदेश होना चाहिए था, वह हिंसक संघर्ष के रूप में तब्दील हो गया। सवाल है कि आखिर वे कौन लोग होते हैं, जिन्हें ऐसे आयोजनों में अचानक दिक्कत हो जाती है या कोई अपनी मंशा के मुताबिक चलने के लिए कानून तक को ताक पर रखने से नहीं हिचकता। विडंबना यह है कि किसी धर्म से जुड़े ऐसे जुलूसों का अराजक हो जाना आम होता जा रहा है। पिछले हफ्ते शनिवार को राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुहर्रम के जुलूस के दौरान जब एक समूह को तय मार्ग से अलग रास्ते पर जाने से रोका गया तो उसमें शामिल लोगों ने तोड़फोड़ मचा दी और हिंसा पर उतर आए। किसी तरह पुलिस को स्थिति संभालनी पड़ी। इसी तरह, रविवार को बरेली में निर्धारित मार्ग से अलग कांवड़ यात्रा निकालने के सवाल पर लोगों की पुलिस से झड़प हो गई। ऐसे जुलूस निकालने वाले लोगों को आखिर किन वजहों से प्रशासन की ओर से तय मार्ग से अलग किसी और रास्ते पर जाना जरूरी लगने लगता है? क्या इसके पीछे कोई अन्य मंशा काम कर रही होती है? यह किसी से छिपा नहीं है कि किसी भी धार्मिक यात्रा या जुलूस के दौरान सरकार या प्रशासन को सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कई बार भारी संख्या में पुलिस को तैनात करना पड़ता है। मगर पुलिस की मौजूदगी के बावजूद कुछ लोगों के भीतर यह विचित्र जिद पैदा हो जाती है कि वे निर्धारित मार्ग से इतर किसी और रास्ते से जुलूस को लेकर जाएंगे जबकि विवाद की आशंका के मद्देनजर ही प्रशासन की ओर से धार्मिक यात्राओं या जुलूसों का मार्ग तय किया जाता है। हालांकि धर्म का मर्म जो कहता है, उसके मुताबिक किसी पर्व-त्योहार के मौके पर सभी समुदायों के बीच माहौल में अपने आप ही सौहार्द घुलना चाहिए और इसके लिए सबको अपनी ओर से सजग रहना चाहिए। लेकिन हालत यह है कि ऐसे मौकों पर भारी तादाद में पुलिस बल को तैनात किया जाता है, ताकि कानून व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। जरूरत इस बात की है कि आयोजन चाहे किसी भी समुदाय की ओर से हो, धार्मिक जुलूसों के दौरान प्रशासन की ओर से निर्धारित मार्ग के बजाय अगर लोग अन्य रास्ते पर जाने की जिद करने लगें तो इसके लिए आयोजकों की जिम्मेदारी तय की जाए।

आधुनिक युग में चमत्कार हैं जैन साधु

डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

दिगम्बर जैन साधु, श्रमण वर्तमान में सचमुच में धरती के देवता हैं। उनकी कठिन चर्या देखकर लोग दांतों तले ऊँगली दबा लेते हैं। सिद्धपद के इच्छुक जो महापुरुष पंचेन्द्रिय के विषयों की इच्छा समाप्त करके सम्पूर्ण आरम्भ और परिग्रह का त्याग कर देते हैं तथा ज्ञान, ध्यान और तप में सदैव तत्पर रहते हैं, वे ही मुक्तिपथ के साधक होने से सच्चे साधु कहलाते हैं। वे महामना दिगम्बर अवस्था को धारण कर लेते हैं। आज के समय का सबसे बड़ा चमत्कार है दिगम्बर जैन साधु क्योंकि आज के आधुनिक जीवन में हर कोई अपने शरीर को सजाने -संवारने में लगा है, तरह- तरह के फैशनेबल कपड़े पहनने में लगा है, बालों को भी अपने-अपने ढंग से बनवाने में लगा है, ना जाने कितनी तरह के शैम्पू और साबुनों का इस्तेमाल कर रहा है, क्रीम- पाउडर और खूशबूदार तेलों को बदन पर रगडने में लगा है, दिन रात तरह- तरह के व्यंजनों को खाने में लगा है ऐसे में दिगम्बर साधु आज भी दिगम्बर अवस्था में रह कर एक समय ही आहर- पानी लेकर त्याग-तपस्या में लीन रह कर समाज और संस्कृति को सदमार्ग दिखा रहे हैं। धर्म- पुण्य कार्यों को करने के लिए लगातार प्रेरित करने में लगे हैं। इस कलिकाल में, आधुनिक युग और पश्चिम संस्कृति के प्रभाव से घिरे इस समाज के बीच में दिगम्बर साधुओं का रहना ही अपने आप में ही किसी चमत्कार से कम नहीं है। कडाके की सर्दी हो, भीषण गर्मी या तेज बरसात हो आम व्यक्ति हर तरह की सुविधाओं से लैस होकर निकलता है। सर्दी में ऊनी वस्त्रों से लद जाता है, गर्मी में पंखे, कूलर और ऐसी का इस्तेमल करता है, बरसात में छाते और रैनकोट का इस्तेमाल करता है फिर भी वह परेशान दिखाई देता है लेकिन इसके उलट दिगम्बर साधु बारह महीनों सर्दी, गर्मी और बरसात में एक ही अवस्था में रह कर पैदल ही विहार करते हैं। यह चमत्कर इसलिए सम्भव है कि दिगम्बर साधु सिर्फ और सिर्फ परमात्मा की भक्ति करता है, परमात्मा के चरणों में रहता है, सांसारिक मोह- माया से परे रह कर त्याग और कड़ी तपस्या करता है। जो धमनी में लहू जमा दे शीत दिसम्बर सहते हैं, विजय काम पर पाने वाले संत दिगम्बर रहते हैं। सभी सम्प्रदाय के लोग दिगम्बर जैन संत की कठोर तपश्चर्या से को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं। हाल ही में बागेश्वर धाम के बाबा धीरेन्द्र शास्त्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा था कि दिगम्बर जैन साधु की चर्या वर्तमान में विश्व के लिए शोध का विषय है। महाभारत में कहा है कि युद्ध के लिये प्रस्थान के समय श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं...

''आरोरूह रथं पार्थ !
गांडीवं चापि धारय।
निर्जितां मेदिनीं मन्ये निग्रंथों
गुरुरग्रत:।''

हे अर्जुन ! तुम रथ पर चढ़ जाओ और गांडीव-धनुष को भी धारण करो। मैं इस पृथ्वी को जीती हुई ही समझ रहा हूँ चूंकि निर्ग्रंथ मुनि सामने दिख रहे हैं। ज्ञानार्णव-चूंकि इस पृथ्वीतल पर विहार करते हुए ये मुनि पंचेंद्रिय से लेकर वनस्पति, वृक्ष, अग्नि आदि एकेंद्रिय जीवों तक की रक्षा करते हैं उन्हें अभयदान-जीवनदान देते हैं, ये परमकारुणिक मुनि विश्ववंद्य, जगद्गुरु भी कहलाते हैं क्योंकि इनका धर्म सभी जीवों का हित करने वाला होने से वह सार्वधर्म या विश्वधर्म कहलाता है। जीवनचर्या- ये जिन गुणों का पालन करते हैं उन्हें मूलगुण कहते हैं। जैसे मूल के बिना वृक्ष की एवं नींव के बिना महल की स्थिति नहीं है उसी प्रकार से इन गुणों के बिना कोई भी व्यक्ति वेषमात्र से साधु नहीं हो सकता है। इन मूलगुणों के अट्ठाईस भेद होते हैं। पांच महाव्रत, पांच समिति, पांच इन्द्रियनिरोध, केशलोंच, षट् आवश्यक, आचेलक्य, अस्नान, क्षितिशयन, अदंतधावन, स्थितिभोजन और एकभक्त। ऐसी कठोर चर्या के पालक दिगम्बर जैन संतों के बारे में कोई अनर्गल प्रलाप करे तो यह श्रमण संस्कृति के लिए खतरा और समाज को चिंता तथा मंथन का विषय है। ऐसे महान दिगम्बर साधुओं पर वर्तमान में कतिपय असामाजिक तत्व अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं जो घोर निंदनीय है। पिछले दिनों कर्नाटक में आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी की निर्मम हत्या उसके बाद हाल ही में एककथावाचक द्वारा जैन संतों के दिगम्बर स्वरूप पर की गई टिप्पणी और कटनी में एक महिला द्वारा दिगम्बर जैन साधु की प्रवचन सभा में पहुँचकर अभद्र, अशोभनीय टिप्पणी करना घोर निंदनीय है। कथावाचक द्वारा जैन संतों के दिगम्बर स्वरूप पर की गई टिप्पणी घोर निंदनीय तो है लेकिन हम उनकी बात को इतना महत्व ही क्यों दे रहे हैं ! जैन साधु आत्मकल्याण के लिए दिगम्बर स्वरूप धारण करते हैं और राग- द्वेष से परे अपनी तपस्या में लीन रहते हैं.. यदि ऐसी आलोचनाओं की चिंता की होती तो कोई भी साधु किसी भी युग में मुनि भेष न धारण कर पाता !

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने,
गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

संतों की सुरक्षा के लिए हों कटिबद्ध

समाज को भी गंभीरता से चिंतन करना होगा। साधु संतों के आहार-विहार-निहार के लिए जागरूक होना होगा ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। साधु, संतों के विहार में अक्सर समाज की लापरवाही देखी जाती है जिसपर चिंतन जरूरी है। जब भी साधु का विहार हो संबंधित एरिया की जैन समाज का दायित्व बनता है कि स्थानीय पुलिस प्रशासन को भी उनके विहार कार्यक्रम की डिटेल दे, यदि पुलिस प्रशासन के संज्ञान में साधु का विहार होगा तो वह सुरक्षा के इंतजाम भी करेगी , साधु की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन से कहीं अधिक समाज की है। जब कोई अप्रिय घटना घट जाती है तो हम निंदा आदि प्रस्ताव पास करके हम कुछ नहीं कर पा सकने की निराशा से ऊपर उठने की कोशिश और कुछ तो किया की संतुष्टि में अक्सर एक साथ जी लेते हैं । आखिर यह सब कब तक ! अब हमारी समाज को निर्णायक फैसले लेना होगा। हम अपनी विरासत बचाने को आगे आएं। इसकी रक्षा करने के लिए हमे संकल्पित होना होगा। मात्र प्रस्ताव पास करने या व्हाट्सएप, फेसबुक पर ज्ञान बाटने की आदत से बाहर निकलकर कुछ सार्थक निर्णायक कदम उठाना आज की महती आवश्यकता है। साधु संस्था की गरिमा को बचाए रखना समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि दिगम्बर जैन धर्म की पहचान हमारे साधु संस्था से ही है।

यदि अब भी न जागे जो मिट जाएंगे खुद ही।
दास्तां तक भी न होगी, हमारी दस्तानों में।।
आज हम सभी को आत्मावलोकन करने की जरूरत है।
कुहासां आसमां पर छा रहा है और हम चुप हैं।

कमल की तरह हो हमारा जीवन, विपरीत परिस्थितियों में भी खिलना सीखे: इन्दुप्रभाजी म.सा.

दिखावे की प्रवृति हावी होने से जीवन का मूल लक्ष्य ही भूले: दर्शनप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आवश्यकता की पूर्ति हो सकती लेकिन इच्छाएं कभी पूरी नहीं होती। पाप का सहारा इच्छाओं को पूरा करने के लिए ही लेना पड़ता है।दिखावे की प्रवति इतनी हावी हो चुकी है कि हम मूल लक्ष्य ही भूल गए है।दिखावे की इच्छा ही तनाव का मूल होती है। हम आकृति से मानव बन गए है लेकिन हमारी प्रकृति उस अनुरूप नहीं रह गई है। प्रकृति से मानव ओर कर्म से जैन बनने की जरूरत है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में गुरूवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. सानिध्य में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम चिंतन करे कि हम कौन है ओर किस दिशा में जा रहे है। धर्म के लिए पैसा नहीं होता लेकिन अधर्म में उड़ाने के लिए कोई कमी नहीं होती। ये हमेशा याद रहे कि दुनिया कभी भी भोग में डूबे रहने वालों को नमन नहीं करती। दुनिया का सिर त्यागियों के समक्ष झुकता है। आकृति के साथ प्रकृति से भी मानव बनना होगा। चातुर्मास हमे पाप से निवृत होकर धर्म में डूबने की प्रेरणा देता है। धर्मसभा में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि संसार में रहते हुए ही जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिलता है। हमारा जीवन कमल की तरह होना चाहिए जो विपरीत परिस्थितियों में भी खिलना जानता है। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह अंजना अपने मन की बात बसंता को बताती है ओर कहती है कि कर्म के लिखे को कोई टाल नहीं सकता। कर्म फल भोगने ही पड़ते है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि धर्म के लिए देने में कभी हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। धर्म के लिए जितना देंगे उससे दोगुणा हमे वापस प्राप्त होंगे लेकिन देते समय किसी से होड नहीं कर अपनी क्षमता अवश्य देखनी चाहिए। धर्म के प्रताप से ही हमको सब मिल रहा है। जिस दिन धर्म नहीं बचेगा कुछ नहीं बचेगा। धन की सद्गति दान में ही मानी जाती है। हम सुख में भी धर्म को याद रखे तो जीवन में दुःख का आगमन ही नहीं हो। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.,नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में बापूनगर निवासी सुश्राविका माधुरी हिंगड़ ने नौ उपवास के प्रत्याख्यान लिए तो हर्ष-हर्ष,जय-जय का जयघोष हुआ। उनका तेला तप करने का संकल्प लेने वाली श्राविकाओं के साथ श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा स्वागत किया गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है। चातुर्मास में 6 अगस्त को दादा-दादी दिवस मनाया जाएगा। प्रवचन के माध्यम से बताया जाएगा कि दादा-दादी कैसे अपने पोते-पोतियों के जीवन में अहम भूमिका निभाते हुए उन्हें धर्म से जोड़ने के साथ संस्कारवान बना सकते है।

हर घर से आयम्बिल तप करने की दी प्रेरणा

धर्मसभा में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा गोखरू, धनोप के तेजमल लोढ़ा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। श्रीमती गोखरू ने बताया कि श्रमण संघीय आचार्य सम्राट आनंदऋषिजी म.सा. की जयंति पर 17 अगस्त को देश में एक लाख आठ हजार आयम्बिल तप आराधना में भीलवाड़ा से भी अधिकाधिक सहभागिता हो इसके लिए भी प्रेरणा प्रदान की जा रही है। इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हर घर से कम से कम एक आयम्बिल इस दिन अवश्य हो इसके लिए प्रेरणा प्रदान की जाए। साध्वीवृन्द के सानिध्य में आयम्बिल आराधना से जुड़ा बैनर भी जारी किया गया। मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. की जयंति के उपलक्ष्य में संगठन द्वारा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

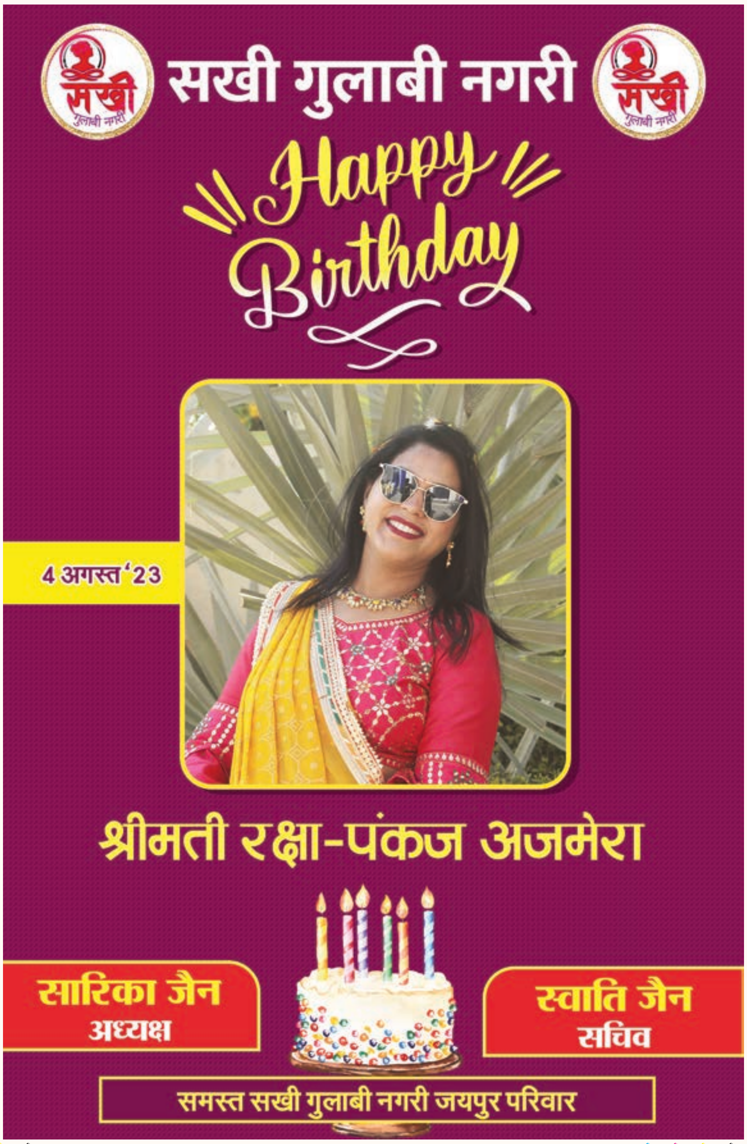

बंधन ग्रुप द्वारा आयोजित महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रदर्शनी का शुभारंभ

3 व 4 अगस्त को भट्टारक जी की नसिया में लगी प्रदर्शनी

जयपुर. कासं। महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के पथ पर अग्रसर जयपुर के बंधन ग्रुप द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उदघाटन आज जयपुर शहर में स्थित भट्टारक जी की नसिया, नारायण सिंह सर्किल पर, नगर निगम ग्रेटर जयपुर की लोकप्रिय महापौर श्रीमती डॉक्टर सौम्या गुर्जर द्वारा किया गया।इस अवसर पर महापौर ने प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन किया एवम विभिन्न स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली।इस प्रदर्शनी में महिलाओ द्वारा विभिन्न उत्पाद जैसे हस्त निर्मित राखिया, महिलाओ के आकर्षक वस्त्र,घर के सजावट का सामान, घर पर निर्मित खाने के व्यंजन इत्यादि का प्रदर्शन एवम बिक्री का आयोजन किया। राखी के त्यौहार के शुभ अवसर पर जयपुर शहर के बंधन ग्रुप द्वारा महिलाओ को एक ही स्थान पर विभिन्न उत्पादों हेतु प्रदर्शन एवम बिक्री का अवसर प्रदान किया गया।इस प्रदर्शनी में दिगंबर जैन महासमिति के कार्याध्यक्ष सुरेश बांदीकुई एवम दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के अध्यक्ष मोहन लाल गंगवाल की गरिमामई भागीदारी रही। इस प्रदर्शनी में काफी संख्या में महिलाओ ने विभिन्न उत्पादों की खरीदारी की। यह प्रदर्शनी इसी स्थान पर शुक्रवार, 4 अगस्त,2023 को भी रहेगी।

सामायिक की साधना आत्मा की साधना है: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। सामायिक की साधना आत्मा की साधना है। गुरूवार एस.एस.जैन भवन साहूकार पेठ में महासाध्वी धर्मप्रभा ने श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश दे हुए कहा कि सामायिक की साधना से मनुष्य मे समभाव आ सकते है। जीवन मे समभाव आ जाऐंगे तो आत्मा शुध्द और पवित्र बन जाएगी। सामायिक शुध्द भाव से होने पर ही समभाव आयेगें सामायिक एक साधना है,जीवन पद्धति है,अकुशल मन को कुशल बनाने की कला है। अवगुणों को खो दिया तो समभाव स्वयं प्रकट हो जायेगे। एकान्त रूप से शांति से अभिलाषा रहित सामायिक हमारी शुद्ध हो जाएगी हमारे बाहरी अवगुण जैसे आए है वैसे ही चले जाएंगे।आत्मा का निज गुण है समभाव वो सामायिक से ही प्राप्त किया जा सकता है। धर्म तो सिर्फ हमारी आत्मा को धोने का कार्य करता है लेकिन मन वचन काया को साधने का साधन हमारी सामायिक है। यदि सामायिक से आत्मा में समभाव आ गये तो गृहस्थ भी साधु है मोक्ष प्राप्त कर सकता है वो तभी संभव हो सकता है जब हमारी सामायिक शुध्द और पवित्रता के साथ हम सामायिक की साधना करेंगे तो हम आत्मा को मोक्ष दिला सकते हैं।

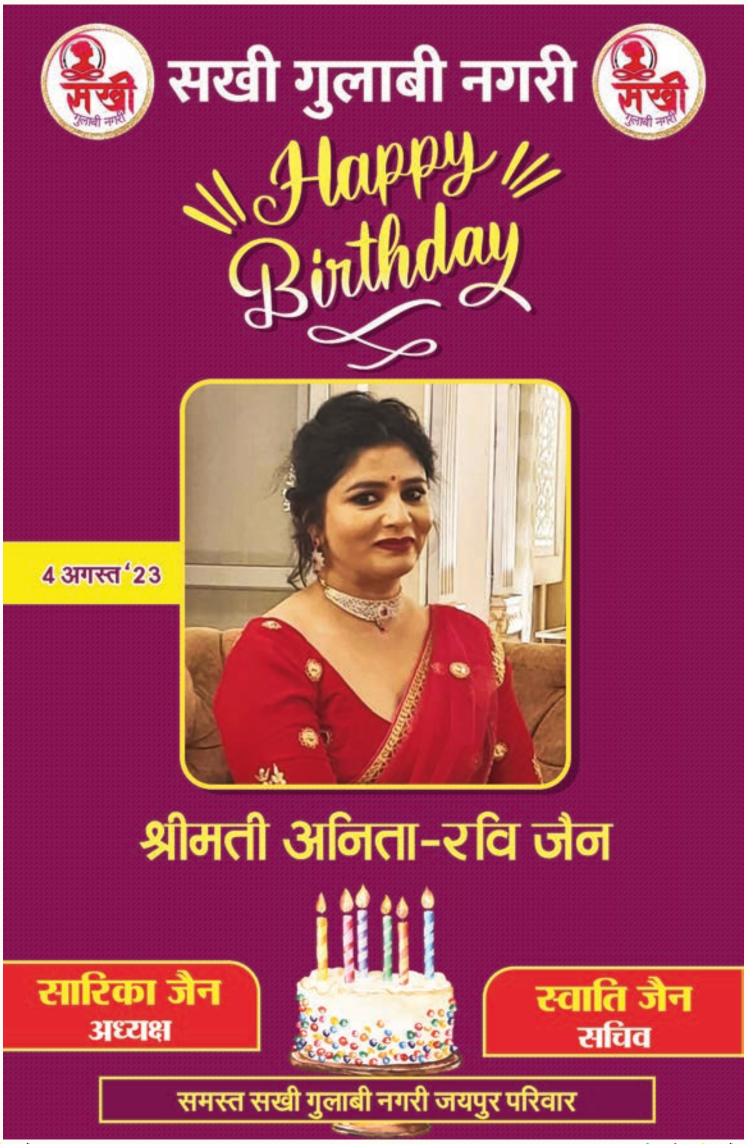

श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन स्थापना दिवस के अवसर पर

रामगंजमंडी दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने किया 51 पौधों का रोपण

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रामगंजमंडी द्वारा श्री दिगंबर जैन नसिया जी मंदिर प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण की मुहिम के तहत 51 पौधों का सघन रोपण श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रामगंज मंडी के अध्यक्ष प्रदीप रेखा शाह एवं सचिव राजीव मनीषा बाकलीवाल के निर्देशन में किया। इन सभी ने इन पौधों का वृक्षारोपण करते हुए जैविक खाद का उपयोग किया इसमें सभी समूह के युगल सदस्य मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया वह इसका रखरखाव रखने का भी संकल्प दोहराया। इस अवसर पर समूह अध्यक्ष प्रदीप शाह ने सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त सदस्यों को मेरी ओर से जय जिनेंद्र यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का गठन 1994 में हुआ था आज भी अनवरत जारी है इसकी स्थापना 30 जुलाई 1994 संस्थापक स्वर्गीय प्रदीप कासलीवाल द्वारा हुई थी आज संपूर्ण भारतवर्ष में इसकी अनेक शाखाएं संचालित है जो अनेक कार्य कर रही है। हमारी रामगंजमंडी की शाखा स्थापना दिवस पर आज पर्यावरण संरक्षण की मुहिम के तहत 51 पौधे लगाकर मना रही है। समूह ने जो भी कार्य किए हैं उसके लिए मैं सभी समूह सदस्यों का आभार प्रकट करता हू। कि आज जो हम पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में आगे आए हैं उसमें हम अपना पूर्ण सहयोग देगे। हम जो 51 पौधे आज लगा रहे हैं। उसकी जवाबदेही संरक्षण का दायित्व हम सभी लें तभी यह कार्य करना सार्थकता सिद्ध करेगा।

अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

फागी कस्बे से आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोधमति माताजी की पावन प्रेरणा एवं मंगलमय आशीर्वाद से

श्री सम्मेद शिखर तीर्थ वंदना के लिए 500 यात्रियों का रेल द्वारा जाएगा एक दल

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे से आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी की पावन प्रेरणा एवं मंगलमय आशीर्वाद से अग्रवाल युवा परिषद फागी , एवं अग्रवाल समाज फागी के तत्वाधान में श्री सम्मेद शिखर तीर्थ वंदना हेतु हर वर्ष की भांति 3 सितंबर 2023 को रेल द्वारा 11वीं बार 500 श्रद्धालुओं का एक जत्था वंदना हेतु जाएगा, परिषद के अध्यक्ष सुशील कलवाड़ा ने जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा को अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम में 3500/रुपए प्रति यात्री का शुल्क रखा गया है, इसी कड़ी में परिषद के महामंत्री मुकेश गिंदोडी ने बताया कि यह यात्रा 3 सितंबर2023 को जयपुर से रेल द्वारा प्रस्थान कर 9 सितंबर 2023को वापस फागी पहुंचेगी। कार्यक्रम के संरक्षक शिखर चंद पीपलू ने बताया कि यात्रा हेतु आज 3 अगस्त 2023 से बुकिंग शुरू कर दी गई है पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बुकिंग शुरू कर दी गई है। जो भी श्रद्धालु जन उक्त यात्रा में शामिल होना चाहते हैं 98293-35993 नंबर पर कांटेक्ट कर बुकिंग करा सकते हैं।

जैनाचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दो दिवसीय "योग शिविर" शनिवार से

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वस्थ्य जीवन, निरोग जीवन, कैसे रहे हम रोगमुक्त, कैसे रहे दवामुक्त, कैसे बड़े हमारे परिवार और बच्चों की सोचने - समझने की शक्ति को लेकर प्रताप नगर सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के मुख्य पांडाल में चातुर्मास कर रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज सानिध्य में दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन शनिवार और रविवार को प्रातः 6.30 बजे से 8.30 बजे तक होगा, इसके पश्चात आचार्य सौरभ सागर महाराज उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे और स्वस्थ्य परिवार और सुखी जीवन पर विशेष उद्बोधन देगे। योग शिविर का आयोजन समाजसेवी आलोक जैन तिजारिया के निर्देशन में होगा, जिसके मुख्य वक्ता नरेंद्र जैन होगे। जिसमें योगाचार्य आलय महाराज, श्री पुष्प वषायोग समिति के गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेंद्र जैन, मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या, कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन सहित विभिन्न पदाधिकारी भी सम्मिलित होगे। अभी तक 250 से अधिक श्रावको ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगंबर जैन महासभा, राजस्थान अंचल का समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन (धर्म संरक्षिणी) महासभा', राजस्थान की साधारण सभा एवं अभिनंदन समारोह तोतुका सभागार, श्री दिगंबर जैन भट्टारक जी नसियां,नारायण सिंह सर्किल,जयपुर में प्रबुद्ध समाज एवं बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ ।समारोह का शुभारंभ महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश तिजारिया विशिष्ट अतिथि अजय बड़जात्या, प्रवीण बड़जात्या (कामां वाले), सुरेश सबलावत, नरेंद्र सेठी, महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमल बाबू जैन एवं महामंत्री राजेंद्र बिलाला द्वारा भगवान महावीर के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत राजेंद्र अनोपड़ा, कमलेश बोहरा, विमल जैन, राजेंद्र बिलाला द्वारा मुक्त कंठ से भजन गायन के साथ सभा की युवा महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अद्विका और सौम्या द्वारा मंगलाचरण, भजन एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई जिसमें बाल कलाकार संजौली, दर्शना एवं चेतना द्वारा भक्ति नृत्य की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमल बाबू जैन ने सभी का स्वागत किया और अपने उद्बोधन में कर्नाटक में आचार्य कामकुमार जी मुनिराज की निर्मम एवं नृशंस हत्या पर आक्रोश प्रकट किया ।राष्ट्रीय समिति द्वारा एवं स्थानीय सदस्यों द्वारा मामले में दर्शाई गई एक जुटता एवं दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की मांग पर संतोष व्यक्त किया गया ।इसी क्रम में दिवंगत आचार्य श्री को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले की सुनवाई की मांग दोहराई ।समाज के समग्र प्रयासों के फलस्वरूप श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी करने पर राज्य सरकार का एवं सभी सहयोगी संस्थाओं, व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया गया ।जयपुर क्षेत्र में हो रहे मुनिराजों, आर्यिकाओं के चातुर्मास में सदस्यों द्वारा किए जा रहे सहयोग एवं सेवाओं के लिए अभिनंदन किया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष गजराज गंगवाल एवं महामंत्री प्रकाश चंद बडजात्या द्वारा धर्म संरक्षण हितार्थ किए जा रहे कार्यों का यथानुरूप उल्लेख किया एवं कहा कि इनके नेतृत्व में महासभा समाज हित के कार्य करने हेतु कृत संकल्प है। महामंत्री राजेंद्र बिलाला ने महासभा की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया एवं तेज बारिश के उपरांत भी बड़ी संख्या में उपस्थिति के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।मंत्री भागचंद जैन मित्रपुरा ने महासभा की सदस्यता, मुख पत्र 'जैन गजट' का प्रकाशन एवं महा सभा द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के लिए शुरू की गई आत्म निर्भर जैन योजना जिसमे आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, आदि विभिन्न

गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।बड़ौदा ग्रामीण बैंक अजमेर के महाप्रबंधक विमल जैन ने युवाओं को धर्म के प्रति समर्पित रहने की शपथ दिलाई।कमल बाबू जैन द्वारा आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज के जीवन व योगदान पर लिखित व संपादित पुस्तक यथोगाथा का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल ने अपने प्रबोधन में समाज के बंधुओं से एकता की अपील की जिससे हम अपनी धरोहर की, मुनिराजो की व धर्म की रक्षा कर सकें। समारोह के अध्यक्ष रमेश तिजारिया ने हाल ही की कुछ घटनाओं का उल्लेख करते हुए 'जागो जैनियों जागो' का नारा दिया। समारोह में देव, शास्त्र व गुरुओं के प्रति समर्पित समाज के सजग प्रहरी श्रेष्ठीजन ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स, शिखर चंद कासलीवाल, वीरचंद गजेंद्र कुमार बडजात्या कामावाले का समाज हितार्थ किए गए उल्लेखनीय कार्यों हेतु महासभा द्वारा श्रावक रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। आयोजन में विवेक काला, सुरेश सबलावत, प्रदीप चूड़ीवाल, नरेंद्र सेठी राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद, युवा महा सभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, अशोक जैन बोंली वाले, नरेंद्र जैन आर.ए.एस, पदम बिलाला आदि का सम्मान व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम संचालन में समन्वयक एवं संयोजक महेंद्र बैराठी, कमल चंद सेवा वाले, धनकुमार, रमेश चंद छाबड़ा, राजेंद्र पापड़ीवाल, विनीता जैन, प्रिया बडजात्या का उल्लेखनीय सहयोग रहा। मंच संचालन सुव्यवस्थित रूप से सुश्री रितु कासलीवाल ने किया। वात्सल्य भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जिनवाणी से मन पवित्र होता है और आत्मा पवित्र बनती है: साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जिनवाणी को सुनने से मन पवित्र होता है और आत्मा शुध्द बनती है। गुरूवार अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे प्रंखर वक्ता डॉ. प्रिती सुधा ने सैकड़ों श्रध्दालूओं को धर्म उपदेश देतें हुए कहा कि जिनवाणी सुनने से मनुष्य की जीवन कि शैली में बदलाव आता है। और श्रवण करने से वास्तविक मनुष्य जन्म के जीवन के सार को जानकर अपने विचारों को शुद्ध बनाकर जीवन मे परिवर्तन करके मानव जीवन को मनुष्य सार्थक बना सकता है। जीनवाणी ही वो मार्ग है जिसे मनुष्य भीतर मे उतारले और धर्म के मार्ग पर चले तो शास्वत सुख को प्राप्त कर सकता है। परमात्मा की वाणी को आत्मसात किये बिना कौई भी प्राणी आत्म उत्थान नहीं कर पाएगा। जिनवाणी से व्यक्ति आत्मा के अशुम कर्मो के बंधन छुड़वा सकता है। साध्वी संयम सुधा ने कहा कि जीनवाणी ही वो मार्ग है जिससे श्रवण करके मनुष्य आत्म कल्याण का मार्ग प्राप्त कर सकता है। अहिंसा भवन के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना ने बताया कि इसदौरान तपस्वी बहन निशा बापना ने नो उपवास के साध्वी उमराव कंवर,साध्वी प्रिती सुधा से प्रत्याख्यान लिए, तपस्वी निशा बाफना का अहिंसा भवन शास्त्री नगर के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,हेमन्त आंचलिया, रिखबचन्द पीपाड़ा,हिम्मत सिंह बापना,अमरसिंह बाबेल, अमरसिंह संचेती, कूशलसिंह बूलिया,ओमप्रकाश सिसोदिया, संदीप छाजेड़ आदि पदाधिकारियों ओर चंदन बाला महिला मंडल कि मंजू पौखरना, रजनी सिंघवी, मंजू बाफना,अंजना सिसोदिया,उमा आंचलिया,रश्मि लोढ़ा,सरोज महता,आशा संचेती,वंदना लौढ़ा आदि सभी ने तपस्वी.बहन को शोलमाला चुंदड़ी ओढ़ा कर तप की अनूमोदना करते हुए स्वागत किया।

मीडिया प्रवक्ता निलिष्का जैन
अहिंसा भवन शास्त्री नगर भीलवाड़ा

झुमरीतिलैया से जैन समाज का एक दल जैन संत 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज का दर्शन को बड़ौत रवाना

झुमरीतिलैय. शाबाश इंडिया। जैन संत कोडरमा में चातुर्मास कर रहे गुरुदेव मुनि श्री 108 सुयश सागर जी मुनिराज ने सभी जाने वाले यात्री संघ को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि तीर्थ यात्रा और गुरुदेव चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज का दर्शन करने से मन को शांति ओर मंगल आशीर्वाद से सभी मंगलकार्य पूर्ण हो जाते है। अभी आचार्य श्री ससंघ का मंगल चातुर्मास उत्तरप्रदेश के बड़ौत शहर में हो रहा है और इस यात्रा के संघ नायक जैन सुरेश झांझरी,जैन अजय सेठी के नेतृत्व में 51 सदस्यीय टीम में समाज के महामंत्री जैन ललित सेठी,जैन नरेन्द्र झांझरी,सुरेश जैन,जैन सुरेन्द काला, मैत्री समूह के विशिष्ट सदस्य जैन अलका सेठी,जैन सरोज पापड़ीवाल, जैन आशीष सेठी, जैन राजीव छाबडा आदि विशेष रूप से शामिल है इन सब का स्टेशन पर समाज के मैत्री समूह के मनीष सेठी,राज अजमेरा ,नविन सेठी,संजय गंगवाल, अन्नू-पिंकी सेठी, ललित-अंजू छाबडा ने सभी यात्रियों को माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया और सभी यात्रियों को बहुत बहुत शुभकामनाएं देते हुवे कहा कि इन सभी को बहुत पुण्य का योग मिला है कि ये दर्शन को जा रहे है जाने के पूर्व जैन बड़ा मंदिर में महाशान्तिधारा ओर पूजन कर संध्या में भव्य आरती के साथ मुनि श्री सुयश सागर जी मुनिराज के मुखारबिंद से णमोकार चालीसा का पाठ सभी यात्रियों ने किया।

कोडरमा मीडिया प्रभारी नविन जैन, राज कुमार अजमेरा

स्व शोभाग सिंह राठौड़ की गंगा प्रसादी पर छुआछूत को मिटाने कि मिसाल पेश की

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। समीपवर्ती चितावा में छुआछूत को मिटाने कि मिशाल पेश की गई। जिसमें स्व शोभाग सिंह राठौड़ की गंगा प्रसादी पर उनके पुत्रों सज्जन सिंह, जितेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा हरिजनों को हरिजन बस्ती से टीबा वाली कोटडी तक पुष्प वर्षा व बैंड बाजे के साथ लाया गया। उनको अपने हाथों से भोजन खिलाया गया व उपहार स्वरूप आभूषण व वस्त्र दिए गए। इस मौके पर जोगेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, हरी सिंह, भंवर सिंह ,सुरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, मदन सिंह, भेरू सिंह व समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शोक समाचार

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी प्रिय श्रीमती सुषमा चोपड़ा (धर्मपत्नी श्री त्रिलोक चंद चोपड़ा) का आकस्मिक निधन **2/08/2023** को हो गया है।

उठवाना दिनांक **04/08/2023** को शाम **4** बजे से स्थान *मोती डूंगरी जैन श्वेतांबर दादाबाड़ी* में रखी गई है।

शोकाकुल:
रिधकरण - कंचन (जेठ जेठानी), महेंद्र - सुनीता(जेठ जेठानी)
संजय - कल्पना(देवर देवरानी), धर्मेंद्र (देवर),
महक,सलोनी (पुत्री)
विकास , विनय - पूर्वी , विनीत - दीपज्योति , रवि - रत्ना
परिधि , पार्थ , दिया , आरोही, युग चोपड़ा परिवार।
अजय - शोभा महमवाल, राजीव - पूनम जैन

पीहर पक्ष :
विनय चंद, अनिल, विनोद, सुकेश, राजीव, संजय, मनोज बदलियां परिवार (झुंझुनूं)
महेंद्र - शर्मिला कूकड़ा (बहनोई - बहन)